ECHO OF HIS CALL

बुलावे की प्रतिध्वनि

HINDI

India's National Spiritual Newspaper

₹ 10/-

Published monthly in ENGLISH, TAMIL, MALAYALAM, TELUGU, HINDI, KANNADA, MARATHI, BENGALI, GUJARATI, ODIYA, ASSAMESE, PUNJABI, NEPALI, URDU, SINHALA & AFRIKAANS

Editor : S. SAM SELVA RAJ | 16 Languages | Associate Editor : Dorathy S. Thomas

VOL. XXVI | YEAR OF OUR LORD JESUS CHRIST, 2020 DECEMBER | No. 2

पवित्र बाइबल!

इन वचनों को याद करें

परमेश्वर की स्तुति हो

यशायाह ९:१-७

१ तौभी संकट-भरा अन्धकार जाता रहेगा। पहले तो उसने जबूलून और नप्ताली के देशों का अपमान किया, परन्तु अन्तिम दिनों में ताल की ओर यरदन के पार की अन्यजातियों के गलील को महिमा देगा।

२ जो लोग अन्धियारे में चल रहे थे उन्होंने बड़ा उजियाला देखा; और जो लोग घोर अन्धकार से भरे हुए मृत्यु के देश में रहते थे, उन पर ज्योति चमकी।

३ तू ने जाति को बढ़ाया, तू ने उसको बहुत आनन्द दिया, वे तेरे सामने कटनी के समय का सा आनन्द करते हैं, और ऐसे मगन हैं जैसे लोग लूट बांटने के समय मगन रहते हैं।

४ क्योंकि तू ने उसकी गर्दन पर के भारी जूए और उसके बहंगे के बांस, उस पर अंधेर करनेवाले की लाठी, इन सभों को ऐसा तोड़ दिया है जैसे मिद्यानियों के दिन में किया था।

५ क्योंकि युद्ध में लड़नेवाले सिपाहियों के जूते और लोहू में लथड़े हुए कपड़े सब आग का कौर हो जाएंगे।

६ क्योंकि हमारे लिये एक बालक उत्पन्न हुआ, हमें एक पुत्र दिया गया है; और प्रभुता उसके कांधे पर होगी, और उसका नाम अद्भुत युक्ति करनेवाला पराक्रमी परमेश्वर, अनन्तकाल का पिता, और शान्ति का राजकुमार रखा जाएगा।

७ उसकी प्रभुता सर्वदा बढ़ती रहेगी, और उसकी शान्ति का अन्त न होगा, इसलिये वह उसको दाऊद की राजगद्दी पर इस समय से लेकर सर्वदा के लिये न्याय और धर्म के द्वारा स्थिर किए और संभाले रहेगा। सेनाओं के यहोवा की धुन के द्वारा यह हो जाएगा।

परमेश्वर का प्रकाशन!

(पास्टर सैम सिल्वा राज द्वारा मुख्य गिरजाघर में दिया गया संदेश)

तब प्रभु फिर से शीलोह में प्रगट हुआ। क्योंकि प्रभु ने अपने आपको शीलोह में प्रभु के वचन के द्वारा शमूएल के सामने प्रगट किया... (१ शमूएल ३:२१, ४:१)।

एली याजक के दिनों में परमेश्वर का वचन दुर्लभ था। वह शीलोह में परमेश्वर के मंदिर में सेवा करता था और छोटा लड़का शमूएल उसका सहायक था। शमूएल जब छोटा था तब प्रभु ने उससे बातें की। प्रभु ने कहा, "शमूएल,शमूएल!" और तीसरी बार एली के कहने के अनुसार शमूएल ने परमेश्वर को उत्तर दिया। उसने कहा, "कह, क्योंकि तेरा दास सुन रहा है" (१ शमुएल ३:१०)। प्रभु ने कहा कि एली के घराने के पाप का प्रायश्चित न तो बलिदान से होगा और न ही भेटों से। प्रभु ने जो कुछ कहा वह सबकुछ एली को बता दिया। तब एली ने कहा, "एली बोला, वह तो यहोवा है; जो कुछ वह भला जाने वही करे" (१ शमूएल ३:१८)।

हमारे अद्भुत परमेश्वर ने मूसा को झाड़ी में आग की लपटों में से दर्शन दिया (निर्गमन ३:१,२)। पुनरुत्थित प्रभु यीशु ने मरियम मगदलीनी को दर्शन दिया और कहा, "हे नारी, तू क्यों रोती है?" उसने उनसे कहा, "वे मेरे प्रभु को उठा ले गए और मैं नहीं जानती कि उसे कहां रखा है" (यूहन्ना २०:१२,१३)। प्रेरित यूहन्ना को जब पतमुस नाम टापू पर दर्शन दिया गया तब प्रभु यीशु ने अपने आप को उस पर प्रगट किया। प्रभु ने कहा, "कि जो कुछ तू देखता है, उसे पुस्तक में लिखकर सातों कलीसियाओं के पास भेज दे, अर्थात् इफिसुस और स्मुरना, और पिरगमुन, और थूआतीरा, और सरदीस और फिलदिलफिया, और लौदीकिया में" (प्रकाशितवाक्य १:११)।

...क्रमशः पृष्ठ ३...

A Loving Request

As you all know we are hard-pressed to meet several needs like the salary of the staff, expenses on the purchase of paper and also the travel expenses. Generally we never ask others to meet our financial needs. But we request those who truly love this ministry to send your offerings through Money Orders, Cheque or Demand Draft, Phone Pay, NEFT or through any other methods and support us in this Ministry. The Lord will surely bless you. For details call: +91 98412 71858

- Editor, Echo of His Call

Touching Lives By Teaching... Since 1969

बुलावे की प्रतिध्वनि

(ENGLISH, TAMIL, MALAYALAM, TELUGU, HINDI, MARATHI, KANNADA, BENGALI, GUJARATI, NEPALI, ODIYA, ASSAMESE, PUNJABI, URDU, SINHALA & AFRIKAANS MONTHLY MAGAZINE)

"वह तो ऐसे बड़े काम करता है जिनकी थाह नहीं लगती, और इतने आश्चर्यकर्म करता है जो गिने नहीं जाते" (अय्यूब ५:९)

प्रभु में प्रिय भाई और बहन,

हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह के अत्यंत महिमान्वित नाम में हम आपका अभिवादन करते हैं। यीशु मसीह का नाम सब नामों में ऊंचा है। हम उसे और केवल उसे सारा आदर और महिमा देते हैं।

जी हां, यह अत्यंत उत्तम बात है कि हमारे प्रभु यीशु मसीह ने हमारी अगुवाई की और बड़े अनुग्रह के साथ हमें साल २०२० के अंत में ले आया। हम सब ने इस वर्ष के आरंभ में ऐसा सोचा था कि वह हमारे जीवनों में और संपूर्ण मानव जाति के जीवनों में बड़ी आशीषें ले आएगी। लेकिन आजकल नकारात्मक बातें हो रही हैं।

इसके लिए कारण होना चाहिए। आज जो बातें हो रही हैं उनसे परमेश्वर अज्ञान नहीं है। कोविड-१९ समस्त संसार के लोगों के जीवनों में उपद्रव मचाता है। हमने कई मित्रों को खो दिया है। हम इस बारे में दुखी हैं।

"आमोस के पुत्र यशायाह का दर्शन, जिसको उस ने यहूदा और यरूशलेम के विषय में उज्जियाह, योताम, आहाज, और हिजकिय्याह नाम यहूदा के राजाओं के दिनों में पाया। हे स्वर्ग सुन, और हे पृथ्वी कान लगा; क्योंकि यहोवा कहता है: मैंने बालबच्चों का पालन पोषण किया, और उनको बढ़ाया भी, परन्तु उन्होंने मुझ से बलवा किया। बैल तो अपने मालिक को और गदहा अपने स्वामी की चरनी को पहचानता है, परन्तु इस्राएल मुझे नहीं जानता, मेरी प्रजा विचार नहीं करती। हाय, यह जाति पाप से कैसी भरी है! यह समाज अधर्म से कैसा लदा हुआ है! इस वंश के लोग कैसे कुकर्मी हैं, ये लड़केबाले कैसे बिगड़े हुए हैं! उन्होंने यहोवा को छोड़ दिया, उन्होंने इस्राएल के पवित्र को तुच्छ जाना है! वे पराए बनकर दूर हो गए हैं।तुम बलवा कर करके क्यों अधिक मार खाना चाहते हो? तुम्हारा सिर घावों से भर गया, और तुम्हारा हृदय दुःख से भरा है। नख से सिर तक कहीं भी कुछ आरोग्यता नहीं, केवल चोट और कोड़े की मार के चिन्ह और सड़े हुए घाव हैं जो न दबाये गए, न बान्धे गए, न तेल लगाकर नरमाये गए हैं। तुम्हारा देश उजड़ा पड़ा है, तुम्हारे नगर भस्म हो गए हैं; तुम्हारे खेतों को परदेशी लोग तुम्हारे देखते ही निगल रहे हैं; वह परदेशियों से नाश किए हुए देश के समान उजाड़ है। और सिय्योन की बेटी दाख की बारी में की झोपड़ी की नाईं छोड़ दी गई है, वा ककड़ी के खेत में की छपरिया या घिरे हुए नगर के समान अकेली खड़ी है। यदि सेनाओं का यहोवा हमारे थोड़े से लोगों को न बचा रखता, तो हम सदोम के समान हो जाते, और अमोरा के समान ठहरते। हे सदोम के न्याइयो, यहोवा का वचन सुनो! हे अमोरा की प्रजा, हमारे परमेश्वर की शिक्षा पर कान लगा! यहोवा यह कहता है, तुम्हारे बहुत से मेलबलि मेरे किस काम के हैं? मैं तो मेढ़ो के होमबलियों से और पाले हुए पशुओं की चर्बी से अघा गया हूं; मैं बछड़ों वा भेड़ के बच्चों वा बकरों के लोहू से प्रसन्न नहीं होता। तुम जब अपने मुंह मुझे दिखाने के लिये आते हो, तब यह कौन चाहता है कि तुम मेरे आंगनों को पांव से रौंदो? व्यर्थ अन्नबलि फिर मत लाओ; धूप से मुझे घृणा है। नये चांद और विश्रामदिन का मानना, और सभाओं का प्रचार

CHIEF EDITORS
Pastor S. Sam Selva Raj
Angeline Selvakumari Henry, M.A., M.Ed.
MANAGING EDITOR
Pastor Alex Samson Sam, B.Th., M.Div.
ADMINISTRATION
Bro. N. Prakasam, M.A., General Manager
EDITORIAL BOARD
Sis. Jesy Veena Sam
Bro. M. Paulraj, M.A., B.Ed.
Sis. Serena Bevin, M.A., M. Phil., B.Ed.
Head Qrs. CO-ORDINATORS
Bro. John Rodrigues
Sis. E. Daisy Rani
ADVISORY BOARD
Adv. Jose Abraham
Adv. N. Balaji, B.Com., B.L.
Dr. S. Rabinder Boaz, M.S.
Er. C.G.S. Baburao, B.Tech., M.Tech. (DM)
Aud. K. Puratchivendan, M.Com., B.L.
Bro. Rajeswaran Samuel, B.Com.
PUBLISHER & PRINTER
Pastor S. SAM SELVA RAJ
Echo of His Call Printers
10, Mohammed Abdullah 2nd Street,
Chepauk, Chennai- 600 005, India.
Phone : (+91-44) 2852 8282
2852 9293, 2854 7766
Email : sam@echoofhiscall.org
biblecor@yahoo.co.in
Websites :
www.echoofhiscall.org
www.echoofhiscall.com

करना, यह मुझे बुरा लगता है। महासभा के साथ ही साथ अनर्थ काम करना मुझ से सहा नहीं जाता। तुम्हारे नये चांदों और नियत पर्वों के मानने से मैं जी से बैर रखता हूं; वे सब मुझे बोझ जान पड़ते हैं, मैं उनको सहते सहते उकता गया हूं। जब तुम मेरी ओर हाथ फैलाओ, तब मैं तुम से मुख फेर लूंगा; तुम कितनी ही प्रार्थना क्यों न करो, तौभी मैं तुम्हारी न सुनूंगा; क्योंकि तुम्हारे हाथ खून से भरे हैं। अपने को धोकर पवित्र करो; मेरी आंखों के सामने से अपने बुरे कामों को दूर करो; भविष्य में बुराई करना छोड़ दो" (यशायाह १:१-१६)।

परमेश्वर हमसे जो करने के लिए कह रहा है उसे करने के अलावा हमारे पास दूसरा बचाव का और कोई रास्ता नहीं है।

परमेश्वर के अनुग्रह से, हम उसकी सेवकाई में आगे बढ़ रहे हैं। संक्रमण के मध्य में कलीसियाई सेवकाई को छोड़कर हमारी अधिकांश सेवकाइयां

वापस सामान्य रूप से शुरू हो गई हैं। परमेश्वर ने **सेंट पॉल्स मैट्रिक्यूलेशन स्कूल** नामक हमारे मिशन स्कूल के लिए समर्पित और मिशन मानसिकता रखने वाले सचिव और प्रधानाचार्य दिए हैं। हम विश्वास करते हैं कि परमेश्वर हमारी स्कूल को आशीष क अगले स्तर पर ले जाएगा। और हमारे समाज के निर्धन बच्चों की और मिशनरियों तथा पासबानों की ज़रूरतों को पूरा करेगा। हम दलित बच्चों को उच्च दर्जे की शिक्षा देना चाहते हैं और अच्छे नागरिक, विश्व नेता, वैज्ञानिक और धर्मी लोगों को तैयार करना चाहते हैं, हमारा अधिकतर ध्यान अंग्रेजी शिक्षा को दिया जाता है। हमारे प्रयासों की सफलता के लिए आपकी प्रार्थनाओं और सहायता की ज़रूरत

है। ये हमारे स्कूल का २४वा वर्ष है। हम जानते हैं कि परमेश्वर ने यह स्कूल उसके हृदय के बड़े उद्देश्य के साथ हमें दिया है। इसलिए, हम अपने आपको परमेश्वर के सामर्थी हाथों के नीचे दीन बनाएं ताकि सही समय में हम ऊंचे उठाए जा सकें (१ पतरस ५:६)।

इन दिनों में हम चेपॉक, चेन्नई के हमारे मुख्य कार्यालय में अधिक काम होने के कारण प्रतिदिन के प्रशासनिक कार्यो और विकास योजनाओं को पूरा नहीं कर पा रहे हैं। इसलिए हम निम्नलिखित अत्यंत उच्च मिशन मानसिकता रखने वाले पूर्णकालीन दफ्तर कर्मचारियों की खोज में है :

१) मुख्य अधिकारियों के लिए सचिव जो महत्वपूर्ण अंगेजी पत्राचार और प्रशासन का कार्य पूरा कर सकें (योग्यता : अंग्रेजी और अन्य भाषाओं में पत्राचार करने की स्वतंत्रता योग्यता प्राप्त स्नातक उम्मीदवार)। इसके लिए उत्तम कम्प्यूटर कौशल आवश्यक है।

२) डीटीपी ऑपरेटर जिसके पास अंग्रेजी और अन्य भाषाओं में कम्प्यूटर कुशलता है।

३) किसी भी क्षेत्र में तकनीक कार्य के साथ संगीतज्ञ।

हम उचित वेतन देंगे। कृपया हमारे साथ प्रार्थना करें कि प्रभु उसकी सेवकाई के लिए सही लोगों को ले आए।

हम नए वर्ष २०२१ में **एको ऑफ हिज़ कॉल** सेवकाइयों का अगले स्तर पर विस्तार करने की प्रक्रिया में हैं।

क्रिसमस और नया वर्ष नज़दीक है।

हम आपको सलाह देते हैं कि मास्क पहने, अपने हाथों को धोएं और सामाजिक अंतर बनाए रखें। हमारे त्यौहारों को मनाना हमेशा अच्छा है। "क्योंकि परमेष्वर ने जगत से ऐसा प्रेम किया कि उसने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, ताकि जो कोई उस पर विष्वास करे वह नाष न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए" (यूहन्ना ३:१६)। हम आपको क्रिसमस की बधाई देते हैं और संपन्न नए वर्ष २०२१ की कामना करते हैं।

"और यहोवा तुझे लगातार लिए चलेगा, और काल के समय तुझे तृप्त और तेरी हड्डियों को हरी भरी करेगा; और तू सींची हुई बारी और ऐसे सोते के समान होगा जिसका जल कभी नहीं सूखता" (यशायाह ५८:११)। परमेश्वर नए वर्ष में आपको आशीष दे!

आपका सेवक
पा. सैम और सैमसन

...पृष्ठ १ से आगे...

उसी प्रभु ने १९६९ में कन्याकुमारी जिले के एक स्थानीय गांव में मुझे दर्शन दिया। काश, इस वाक्य को इस प्रकार विभाजित किया जा सकता है १. परमेश्वर का प्रकाशन, २. परमेश्वर की ओर से प्रकाशन, ३. परमेश्वर के बारे में प्रकाशन।

परमेश्वर ने उसे प्रकाशन दिया कि जो वह देखता था उस से परे वह देखे। इसलिए उसे लोगों द्वारा दर्शी और भविष्यवक्ता कहा गया। युवा व्यक्ति शाऊल और उसका सेवक अपने गधे की खोज में थे, तब लोगों ने उन्हें शमूएल के पास भेजा। शमूएल ने ५२ वर्षों तक इस्राएल के भविष्यवक्ता और न्यायाधीश के रूप में सेवा की।

यीशु मसीह के पास एक प्रकाशन था। मसीह ने उनसे कहा, "यीशु ने उनसे कहा, "मेरा भोजन यह है कि अपने भेजनेवाले की इच्छा के अनुसार चलूं और उसका काम पूरा करूं" (यूहन्ना ४:३४)। हमें परमेश्वर द्वारा बनाया गया है ताकि हम उसकी इच्छा पूरी करें। जब तक हमें उसकी इच्छा का प्रकाशन नहीं मिलता तब तक हम पूरे नहीं होंगे। हमारे जीवन पर परमेश्वर की इच्छा और प्रकाशन एक साथ

एको अहफ हिज कहल सेवकाइयों को एको अहफ हिज कहल मासिक पत्रिकाओं के पाठकों द्वारा प्राप्त शुल्क तथा आपके जैसे प्रिय मित्रों के स्वेच्छादानों द्वारा आर्थिक सहायता प्रदन की जाती है। परमेश्वर हर्ष देने वालों से प्रेम करता है (२ कुरिन्थियों ९:७)। हर तरह से - हर कीमत पर - किसी भी तरह से - हर प्रकार से - समान कुछ (१ कुरिन्थियों ६:२२) (एवी)। - संपादक

कार्य करने पाएं। जब तक भोजन हमारे लिए आनंद और संतुष्टि का कारण होता है, तब तक वह हमारे शरीरों को बल नहीं दे सकता। इसी तरह, हमारे प्रकाशन की परिपूर्णता हमारे प्राण को और हमारे मन को संतुष्टि प्रदान करेगी। परमेश्वर द्वारा यीशु मसीह को इस संसार में कार्य को करने के लिए और पिता के संतोष के लिए उसे पूरा करने के लिए भेजा था। प्रभु ने कहा, "जो काम तू ने मुझे करने को दिया था, उसे पूरा करके मैंने पृथ्वी पर तेरी महिमा की है" (यूहन्ना १७:४)।

हम सभों के पास एक प्रकाशन होना चाहिए। हमें जानना चाहिए कि हमारा संसार में हमारा जन्म क्यों हुआ है। हमें एक विशिष्ट कार्य पूरा करने के लिए भेजा गया है और हम अपनी इच्छा से नहीं आए हैं।

यदि लोग इस संसार में बिना उद्देश्य के आते, तो आज संसार पहले जैसा नहीं होता। हर एक युग में उसके अपने लोग होते हैं और प्रचार करने के लिए मूसा जैसे लोग और भविष्यवक्ता होते हैं (लूका १६:२६)। परमेश्वर ने कुछ लोगों को प्रेरित, कुछ लोगों को भविष्यवक्ता, कुछ लोगों को सुसमाचार प्रचारक, और कुछ लोगों को पास्टर, कुछ लोगों को शिक्षक बनाया है (इफिसियों ४:११)।

प्रत्येक पीढ़ी के लिए परमेश्वर अपनी सेवकाई के लिए इन सेवकों की उपस्थिति सुनिश्चित करता है। उद्देश्य है पृथ्वी पर उसकी इच्छा पूरी करना। जब तक हमें परमेश्वर का प्रकाशन प्राप्त नहीं होता, हम निर्णय नहीं ले सकते कि हम अपने जीवन में क्या करें। हमारा जीवन दिशाविहीन होगा और हम परिपूर्णता हासिल नहीं कर सकते। हम जो करना चाहते हैं उसे करने के द्वारा परिपूर्णता नहीं आएगी। उसे वही करने के द्वारा हासिल किया जा सकता है जो परमेश्वर चाहता है कि हम करे। इसके लिए हमें परमेश्वर के प्रत्यक्ष दर्शन की या उसके वचन के प्रकाशन की ज़रूरत है। हर कोई परमेश्वर से यह अपेक्षा नहीं कर सकता कि वह उसे दर्शन दे! परमेश्वर अपने वचन के द्वारा भी प्रकाशन दे सकता है। जब हम उसके वचन को पढ़ते हैं, मनन करते हैं या प्रार्थना करते हैं, तब हम उसके वचन के द्वारा प्रकाशन प्राप्त करते हैं। जब हमें परमेश्वर का प्रकाशन मिलेगा, तब हमें आवश्यक बल प्राप्त होगा और हम सही काम करेंगे। इससे हमें बहुतायत का आनंद और आशीषें प्राप्त होगी। भोजन हमारे निर्वाह और जीविका के लिए है। वह हमें बल और संतुष्टि देता है। उसे दूसरों को जो ज़रूरतमंद है, दिया जाता है। यीशु के लिए, भोजन परमेश्वर की इच्छा पूरी करना था। जब हम परमेश्वर की इच्छा पूरी करेंगे, तब परमेश्वर हमारी ज़रूरतों को पूरा करेगा! हमें चिंता करने की ज़रूरत नहीं है।

परमेश्वर की ओर से प्रकाशन

परमेश्वर की ओर से यिर्मयाह में एक दिलचस्प संदेश है।

यिर्मयाह १:४-१०

१ हिल्किय्याह का पुत्र यिर्मयाह जो बिन्यामीन देश के अनातोत में रहनेवाले याजकों में से था, उसी के ये वचन हैं।

२ यहोवा का वचन उसके पास आमोन के पुत्र यहूदा के राजा योशिय्याह के दिनों में उसके राज्य के तेरहवें वर्ष में पहुंचा।

३ इसके बाद योशिय्याह के पुत्र यहूदा के राजा यहोयाकीम के दिनों में, और योशिय्याह के पुत्र यहूदा के राजा सिदकिय्याह के राज्य के ग्यारहवें वर्ष के अन्त तक भी प्रगट होता रहा जब तक उसी वर्ष के पांचवे महीने में यरूशलेम के निवासी बंधुआई में न चले गए।

४ तब यहोवा का यह वचन मेरे पास पहुंचा,

५ गर्भ में रचने से पहिले ही मैंने तुझ पर चित्त लगाया, और उत्पन्न होने से पहले ही मैंने तुझे अभिषेक किया; मैंने तुझे जातियों का भविष्यद्वक्ता ठहराया।

६ तब मैंने कहा, हाय, प्रभु यहोवा! देख, मैं तो बोलना ही नहीं जानता, क्योंकि मैं लड़का ही हूं;

७ परन्तु यहोवा ने मुझ से कहा, मत कह कि मैं लड़का हूं; क्योंकि जिस किसी के पास मैं तुझे भेजूं वहां तू जाएगा, और जो कुछ मैं तुझे आज्ञा दूं वही तू कहेगा।

८ तू उनके मुख को देखकर मत डर, क्योंकि तुझे छुड़ाने के लिये मैं तेरे साथ हूं, यहोवा की यही वाणी है।

९ तब यहोवा ने हाथ बढ़ाकर मेरे मुंह को छुआ; और यहोवा ने मुझ से कहा, देख, मैंने अपने वचन तेरे मुंह में डाल दिये हैं।

१० सुन, मैंने आज के दिन तुझे जातियों और राज्यों पर अधिकारी ठहराया है; उन्हें गिराने और ढा देने के लिये, नाश करने और काट डालने के लिये, या उन्हें बनाने और रोपने के लिये।

प्रभु का वचन यिर्मयाह के पास आया। प्रभु ने उसे राष्ट्रों और राज्यों को परमेश्वर का संदेश ले जाने के लिए उसकी माता के गर्भ से चुना : "गिराने और ढा देने के लिये, नाश करने और काट डालने के लिये, या उन्हें बनाने और रोपने के लिये।" अनैतिक बातों को गिराना और नाश करना अवश्य था ताकि नई बातों का निर्माण किया जा सके और उन्हें नए सिरे से रोपा जा सके। यह यहूदा के सम्बंध में विशिष्ट संदेश है। राष्ट्र परमेश्वर की इच्छा से दूर हो गया। उसे गिराना और नाश करना अवश्य था ताकि बचे हुए लोगों में से नए राष्ट्र का निर्माण किया जा सके और उन्हें नए सिरे से रोपा जा सके।

जब परमेश्वर के लोग परमेश्वर की इच्छा से दूर हो जाते हैं, तब वह उन्हें गिराने और नाश करने और पुनर्निमाण करने से पीछे नहीं हटेगा। राष्ट्र पर आने वाली सारी विपत्तियां हमें सबक सिखाती हैं।

यदि देश पर कोरोना का हमला होता है, तो इसका मतलब यह है कि परमेश्वर चाहता है कि राष्ट्र अपनी गहरी नींद से जाग उठे, अपने आप को दुष्ट और अनैतिक मार्गों से शुद्ध करे। यह नाश के लिए नहीं है, परंतु सुधार और निर्माण के लिए है। इसलिए राष्ट्रों, मत डरिए, परमेश्वर सब कुछ भलाई के लिए करता है। दुख कुछ ही समय का है

महान आदेश के भागी

❋ भार उठना (गलातियों ६:२), ❋ सहायता करना (रोमियों १२:१३) और ❋ चमकाना (२ तीमुथियुस १:६)

स्तुति और प्रार्थना निवेदन

१६ अक्टूबर २०२० से १८ नवम्बर २०२० तक

(कृपया इस पृष्ठ का फा.िय, ा.ी कीजिए आर उस अपनी बाइबल म र ाकर निरतर प्राथना कीजिए।)

स्तुति विषय

दिसम्बर १६ : प्रभु का चंगाई का हाथ हमारे भाई, सहायक संपादक पॉल राज के साथ रहा।

दिसम्बर २० : परमेश्वर ने हमारी सेवकाइयों को उर्दू सहायक संपादक देकर आशीषित किया।

दिसम्बर २१ : परमेश्वर ने मणिपूरी भाषा में हाल ही में एको ऑफ हिज़ कॉल मासिक पत्रिका प्रकाशित करने में सहायता की।

दिसम्बर २२ : परमेश्वर ने हमारे **सेंट पॉल्स मैट्रिक्यूलेशन स्कूल** के लिए नए प्रधानाचार्य दिए।

दिसम्बर २३ : **एको ऑफ हिज़ कॉल** सेवकाइयों की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए परमेश्वर की स्तुति करें।

दिसम्बर २४ : परमेश्वर ने इस वर्ष क्रिसमस तक हमारी रक्षा की।

दिसम्बर २५ : परमेश्वर की स्तुति करें कि उद्धारकर्ता के रूप में उसने जगत में अपने एकलौते पुत्र यीशु मसीह को भेजा।

दिसम्बर २६ : परमेश्वर ने १६ भाषाओं में प्रकाशित हमारे सुसमाचार साहित्य को आशिषित किया जो हमारे छापखाने में छपकर मिशन क्षेत्रों में भेजे जा रहे हैं।

दिसम्बर २७ : परमेश्वर का धन्यवाद हो उन दयालू लोगों के लिए जिन्होंने कोरोना से पीड़ित लोगों की और हमारी सहायता के लिए कदम बढ़ाया।

दिसम्बर २८ : उन लोगों के लिए परमेश्वर की स्तुति करें जिन्होंने पिछले वर्षों में **एको ऑफ हिज़ कॉल** की सहायता की।

दिसम्बर २६ : परमेश्वर ने इस वर्ष २०२० में राज्य समन्वयों की अद्भुत रीति से रक्षा की।

दिसम्बर ३० : **एको ऑफ हिज़ कॉल** की सेवकाइयों के लिए और पूरे टीम के लिए परमेश्वर की स्तुति करें।

दिसम्बर ३१ : परमेश्वर ने इस वर्ष २०२० में हम सभों की रक्षा की है।

जनवरी १ : उन लोगों के लिए परमेश्वर की स्तुति करें जिन्होंने पिछले वर्षों में एको ऑफ हिज़ कॉल सेवकाइयों की प्रार्थना के द्वारा सहायता की।

जनवरी २ : हम अपने प्रार्थना सहभागियों शुल्क सहभागियों विश्वास के सहभागियों आजीवन प्रतिभागियों, महान आदेश प्रतिभागियों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए परमेश्वर की स्तुति करें।

जनवरी ३ : हमारा प्रभु हमारे वरिष्ठ पासबान एस सॅम सेल्वाराज और उनके परिवार की दुष्ट शक्तियों से रक्षा करता है।

प्रार्थना विषय

जनवरी ४ : परमेश्वर इस माह एको ऑफ हिज़ कॉल सेवकाइयों की सारी ज़रूरतों को पूरा करें।

जनवरी ५ : परमेश्वर हमारे मुख्य गिरजाघर स्कूल, बाइबल कॉलेज, प्रकाशन, कार्यालय और उसके कार्यकर्ताओं को नूतन वर्ष २०२१ में नया अभिषेक दे।

जनवरी ६ : हम अपने अंग्रेजी सहायक संपादक भाई पॉल राज की पूर्ण चंगाई के लिए प्रार्थना करें।

जनवरी ७ : कोविड-१६ समय के दौरान एको ऑफ हिज़ कॉल सारी गतिविधियों के लिए प्रार्थना करें।

जनवरी ८ : संसार से कोरोना वायरस के निर्मूलन के प्रार्थना करें।

जनवरी ६ : परमेश्वर बहुत जल्द हमारे सहायक संपादक, भाई एम पॉल राज द्वारा लिखित "परमेश्वर का राज्य" नामक पुस्तक का तमिल भाषा में प्रकाशन करने में हमारी सहायता करें।

जनवरी १० : परमेश्वर समस्त संसार की मसीही कलीसियाओं में एकता भेजे।

जनवरी ११ : उन लोगों के लिए प्रार्थना करके जिन्होंने कोरोना ज्वर की वजह से अपने प्रियजनों को और अपनी वस्तुओं को खो दिया।

जनवरी १२ : समस्त संसार की शांति के लिए प्रार्थना करें।

जनवरी १३ : जेलखाने में सेवकाई करने वाले सेवकों के लिए प्रार्थना करें।

जनवरी १४ : हमारे बाइबल पत्राचार पाठ्यक्रम और ईश्वरविज्ञान पाठ्यक्रम तथा बाइबल कॉलेजों के विस्तार के लिए प्रार्थना करें।

जनवरी १५ : परमेश्वर इस नए वर्ष हमारे वरिष्ठ पासबान की योजनाओं और दर्शनों को पूरा करें।

जनवरी १६ : हम उत्तर भारत के मिशनरियों की रक्षा और मार्गदर्शन के लिए प्रार्थना करें।

जनवरी १७ : परमेश्वर हमारे सहायक संपादक और उनके परिवारों को आशीष दें।

जनवरी १८ : परमेश्वर हमारे पास्टर एस सॅम सेल्वराज, उनके परिवार तथा टीम की सारे दुष्ट शक्तियों से रक्षा करें।

...पृष्ठ ४ से आगे...

और पुनर्स्थापन अनंत काल के लिए है।

३. परमेश्वर के बारे में प्रकाशन

परमेश्वर एक महान प्रयोजनकर्ता है अतः उसने अपने आप को इस्राएली लोगों पर प्रकट किया। सारा इस्राएल मिस्र देश से निकल आया और उन्होंने वाचा के देश कनान की ओर अपनी यात्रा शुरू की। वे लाल समुद्र की ओर चलते जा रहे थे। मिस्री सेना भागने वाले लोगों का कर रही थी। उनके पास लाल समुद्र के जल में कब्र का सामना करने के अलावा बच निकलने का दूसरा कोई रास्ता नहीं था। लोग अपनी दुर्दशा के लिए मूसा और हारून को दोष लगा रहे थे। मूसा को भी कोई अंदाज नहीं था। परंतु वह इस बात को जानता था कि प्रभु लोगों को बचाने के लिए कुछ करेगा।

और मूसा ने लोगों से कहा, "मूसा ने लोगों से कहा, डरो मत, खड़े खड़े वह उद्धार का काम देखो, जो यहोवा आज तुम्हारे लिये करेगा; क्योंकि जिन मिस्रियों को तुम आज देखते हो, उनको फिर कभी न देखोगे। यहोवा आप ही तुम्हारे लिये लड़ेगा, इसलिये तुम चुपचाप रहो" (निर्गमन १४:१३,१४)।

प्रभु ने मूसा से कहा कि वह अपनी लाठी उठाएं और अपने हाथ को समुद्र की ओर फैलाए और उसे दो भागों में बांट दे, ताकि इस्राएली लोग सूखी भूमि पर से समुद्र के बीच से पार जा सके। चमत्कार हुआ! परमेश्वर ने लाल समुद्र को दो भागों में बांटा और लोग सूखी भूमि पर से पार चलकर गए! मिस्री उनका पीछा करना चाहते थे, लेकिन हाय! समुद्र ने उन्हें निकल लिया और वे समुद्री कब्र में दफन हो गए! परमेश्वर ने अपने आप को प्रकट किया कि वह कौन है!

इस्राएली लोग अपने साथ जो भोजन ले आए थे वह खत्म हो चुका था और उन्हें भोजन की जरूरत थी। परमेश्वर ने ४० वर्षों तक बीस लाख लोगों को खिलाने के लिए स्वर्ग से मान्ना भेजा! जब उन्हें पानी की जरूरत थी तब परमेश्वर ने मूसा से होरेब में कहा कि वह अपनी लाठी से चट्टान से कहे और उसमें से पानी निकल आया और लोगों की प्यास बुझ गई! मूसा ने उस जगह का नाम मरीबा रखा (निर्गमन १७:१-७)।

जब यरदन नदी कुछ करने वाले लोगों के लिए रुकावट बन गई, तब यहोशू ने लोगों से कहा अपने आप को शुद्ध करें क्योंकि परमेश्वर चमत्कार करेगा। याजक और लेवी मंडली के सामने प्रभु की वाचा के संदूक को लेकर चल रहे थे और जब उनके लूनी नदी के पानी को छुआ, तब नदी का पानी बहना बंद हो गया और उसकी धाराएं रुक गई। अपने जानवरों के साथ इस्राएली लोग सुखी नदी से पार होकर गए। परमेश्वर ने अपने सामर्थी हाथ से इस्राएली लोगों के सामने अपने आप को प्रकट किया। परमेश्वर प्रकट करता है! परमेश्वर आश्चर्यकर्म का परमेश्वर है!

"अब बीती हुई घटनाओं का स्मरण मत करो, न प्राचीनकाल की बातों पर मन लगाओ। देखो, मैं एक नई बात करता हूं; वह अभी प्रगट होगी, क्या तुम उससे अनजान रहोगे? मैं जंगल में एक मार्ग बनाऊंगा और निर्जल देश में नदियां बहाऊंगा" (यशायाह ४३:१८,१९)।

विश्व का हमारा परमेश्वर आश्चर्यकर्म करने वाला परमेश्वर है। उसने अपने आपको शमूएल, रोनेवाली मरियम मगदलीनी, और पतमुस टापू पर प्रेरित यूहन्ना पर प्रकट किया। वाचा के देश के मार्ग पर परमेश्वर ने उसके बारे में इसराइल की कूच करने वाली मंडली के सामने प्रकट किया। पवित्र बाइबल इन कहानियों से भरी पड़ी है रू

१) परमेश्वर का प्रकाशन

२) परमेश्वर की ओर से प्रकाशन

परमेश्वर मनुष्य से क्या चाहता है?

" हे मनुष्य, वह तुझे बता चुका है कि अच्छा क्या है; और यहोवा तुझ से इसे छोड़ और क्या चाहता है,कि तू न्याय से काम करे, और कृपा से प्रीति रखे, और अपने परमेश्वर के साथ नम्रता से चल" (मीका ६:८)।

मनुष्य को परमेश्वर के साथ निकट रिश्ता स्थापित करने के लिए बनाया गया है। यह सृष्टि का सबसे मुख्य उद्देश्य है। यदि ऐसा रिश्ता अस्तित्व में रहना है, तो परमेश्वर मनुष्य से क्या चाहता है? यह पूछताछ मात्र सामान्य नहीं है, परंतु आवश्यक भी है। इस प्रश्न का उत्तर बाइबल में पाया जाता है, जो मनुष्यों के लिए उसकी इच्छा को, और उनके साथ उसकी प्रणालियों को स्पष्ट करता है। आदर्श के संदर्भ में, और वास्तविक के संदर्भ में, पवित्र शास्त्र मनुष्य की जरूरतों की घोषणा करता है।

परमेश्वर में आदर्श और वास्तविक समान है। वह वही है जो उसे होना चाहिए था। परंतु मनुष्य में वे सामान नहीं हैं। यीशु के साथ व्यक्तिगत मुलाकात होने के बाद, जो मनुष्य अपने आप को पवित्र समझता है, वह कबूल करता है, "हाय मैं कैसा भागा व्यक्ति हूं!" इतिहास में केवल यीशु ने अपने अनुभव में आदर्श को और परमेश्वर की वास्तविक मांगों को जोड़ा।

जैसा कि मानव अनुभव में वास्तविक और आदर्श समान नहीं हैं, मैं हमारी पूछताछ का उत्तर दो भागों में देता हूं। पहला है, परमेश्वर की आदर्श मांग, हे परमेश्वर की वास्तविक मांग।

परमेश्वर की आदर्श मांग

व्यवस्थाविवरण की पुस्तक कहती है कि परमेश्वर मनुष्य से यह चाहता है कि वह उस से प्रेम करे और उसकी सेवा करे और उसकी विधियों का पालन करे। "इसलिये तू अपने परमेश्वर यहोवा से अत्यंत प्रेम रखना, और जो कुछ उसने तुझे सौंपा है उसका, अर्थात् उसकी विधियों, नियमों, और आज्ञाओं का नित्य पालन करना" (व्यवस्थाविवरण ११:१)। पुराने नियम का मुख्य भविष्यद्वक्ता मीका कहता है, "हे मनुष्य, वह तुझे बता चुका है कि अच्छा क्या है;

और यहोवा तुझ से इसे छोड़ और क्या चाहता है, कि तू न्याय से काम करे, और कृपा से प्रीति रखे, और अपने परमेश्वर के साथ नम्रता से चल" (मीका ६:८)।

इनमें से प्रत्येक घोषणा में, हमारे अनुवाद में "चाहता है" इस शब्द को लिखा गया है। परंतु मूल इब्रानी भाषा में, भले ही समान कल्पना व्यक्त की जाती है, परंतु महत्व में अंतर है।

व्यवस्थाविवरण में दिए गए शब्द का अर्थ है, "परमेश्वर यह चाहता है" दूसरे शब्दों में परमेश्वर यही मांगता है। परंतु मीका और बल का उपयोग करता है। "इसे छोड़ वह और क्या चाहता है?" जब व्यवस्था दी गई, उसने सरल शब्दों में घोषित किया, कि परमेश्वर क्या चाहता है। परंतु क्योंकि व्यवस्था का उल्लंघन किया गया इसलिए मीका कहता है कि परमेश्वर आग्रह करता है कि मनुष्य उसके साथ चले, न्याय से काम करें, कृपा से प्रीति रखें।

नए नियम में मैं यीशु के शब्दों में परमेश्वर की मांगों को देखता हूं, यह व्यवस्थापक के तीखे प्रश्न के उत्तर स्वरूप कहा गया। "उसने उससे कहा, तू परमेश्वर अपने प्रभु से अपने सारे मन, और अपने सारे प्राण, और अपनी सारी बुद्धि के साथ प्रेम रख। बड़ी और मुख्य आज्ञा तो यही है। और उसी के समान यह दूसरी आज्ञा भी है, कि तू अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम रख। ये ही दो आज्ञाएं सारी व्यवस्था और भविष्यद्वक्ताओं का आधार हैं" (मत्ती २२:३७-४०)। मूसा और मीका ने जो कुछ कहा वह सब यहां है, "तू परमेश्वर अपने प्रभु से . ..अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेमरख।"

दूसरे स्थान में इस वचन को समझाते हुए यीशु ने कहा, "इसलिए चाहिए कि तुम सिद्ध बनो, जैसा तुम्हारा स्वर्गीय पिता सिद्ध है" (मत्ती ५:४८)। "सिद्ध" का अर्थ क्या है? यह पाप के बिल्कुल विपरीत है। नए नियम में पाप "निशाने को खोने" का उल्लेख करता है। सिद्ध की मूल कल्पना है निशाने पर मारना। सिद्ध होने का अर्थ है, "तू निशान नहीं खोएगा, परंतु निशाने पर मारेगा। तू वह सब होगा जो परमेश्वर तेरे लिए चाहता है।"

इन शब्दों का प्रकाशन क्या है? **परमेश्वर प्रत्येक मनुष्य से सिद्धता चाहता है, आदर्श का पूरा होना।** अर्थात, परमेश्वर की पहली मांग। परमेश्वर मुझसे अपेक्षा करता है कि मैं वह बनू जिसके लिए परमेश्वर ने मुझे बनाया है। यह है सिद्धता। परमेश्वर हमसे अपेक्षा नहीं करता है कि हम स्वर्गदूत बनें, क्योंकि उसने हमें स्वर्गदूत का स्वभाव नहीं दिया है। वह मनुष्य से अपेक्षा करता है कि वह मनुष्य ही रहे। वह स्त्री से अपेक्षा करता है कि वह स्त्री ही रहे। वह बालक से अपेक्षा करता है कि वह बालक ही रहे। यदि बालक अपना बचकाना आाचरण छोड़ दे, तो उसे बालक नहीं कहा जा सकता। परमेश्वर अपनी समस्त सृष्टि से यह अपेक्षा करता है कि वह उसकी सिद्ध इच्छा को पूरा करे।

सिद्धता के लिए जोश मानव जाति के लिए सामान्य बात है। आप ऐसे मनुष्य को पा सकते जिसमें किसी तरह से सिद्धता के लिए जोश न हो। केवल मसीही व्यक्ति यह मानता है कि सिद्धता हासिल करना असाध्य है। क्या आप कभी किसी ऐसे जवान लड़के या लड़की से मिले हैं जिसने यह स्वप्न न देखा हो कि वह क्या बनने जा रहा है या जा रही है। शायद आपने उनका उपहास किया होगा या उन्हें रोका होगा। उनके अंदर यह ईश्वरीय जोश हो सकता है, लक्ष्य को हासिल करना, निशाने पर तीर मारना। सिद्धता के लिए जोश सिद्धता की संभावना का निदेशक है। किसी भी मनुष्य को परमेश्वर की अर्थनीति में नियोजित किए लक्ष्य से कम से संतुष्ट होना चाहिए। परमेश्वर अपेक्षा करता है कि प्रत्येक मनुष्य वही बने। वह आग्रह करता है कि मनुष्य उसके साथ चले, न्याय के साथ कार्य करे, और कृपा से प्रीति करे; कि मनुष्य परमेश्वर के साथ मेल के साथ रहने के द्वारा अपने जीवनों को वास्तविक बनाए। आदर्श मांग से मेरा यही तात्पर्य है।

परमेश्वर की आदर्श मांग की हमारी समझ हमें पाप की कायलियत की ओर ले जाती है, क्योंकि हम जानते हैं कि हम परमेश्वर के सिद्ध ईश्वरीय मानक को पूरा नहीं कर पाते। जो व्यक्ति अपने आदर्श स्थान को जानता है, वह उन क्षेत्रों को समझेगा जहां उसने निशान खो दिया है। जब पिलातुस ने यहूदी याजकों की आंखों में देखकर उनसे कहा, "जो मैंने लिखा, मैंने लिखा", यह ऐसा कथन लगता है जो उसके अहंकार को व्यक्त करता है। परंतु दूसरी ओर, जो उसने महसूस किया होगा उसकी तुलना में उन शब्दों का गहरा अर्थ है। उसका अर्थ मात्र यह है कि जो मैंने किया है, उसे किसी भी कीमत पर मिटाया नहीं जा सकता। भूतकाल की असफलताओं को कभी मिटाया नहीं जा सकता। कुछ संसार के मानक के अनुसार निर्दोष लगते होंगे, परंतु जब हम अपने आपको उस सिद्धता के मानक के साथ तौलते हैं जिसके लिए परमेश्वर ने हमें बनाया है तो हम अपने जीवन की विभिन्न अपूर्णताओं को समझते हैं। जब तक परमेश्वर उसके व्यक्तित्व के लिए निध ारित की गई सिद्धता के आदर्श को नहीं समझता, तब तक वह कबूल नहीं कर सकता, "मैंने पाप किया है या मैं चूक गया हूं"।

परमेश्वर की वास्तविक मांग

परमेश्वर मुझ पापी से क्या चाहता है? परमेश्वर ने उसके पुनरुत्थान की विजय के द्वारा, अपने अनमोल बलिदान और सामर्थ के द्वारा पापों की क्षमा प्रदान की है। उसके प्रकाश में, परमेश्वर हमसे क्या चाहता है? मसीह ने अपने समय के मानवद्वेषी लोगों को उत्तर देते हुए कहा, "परमेश्वर का कार्य यह है कि तुम उस पर, जिसे उसने भेजा है, विश्वास करो" (यूहन्ना ५:२९)। कौन सही था, वे या मसीह? मसीह को सही होना है। यीशु के कहने का मतलब यह था कि वह केवल राजा नहीं है, परंतु उद्धारकर्ता भी है। उनकी असफलता की सच्चाई को जानते हुए, उनके पाप को जानते हुए, यीशु ने कहा यदि वे उसमें विश्वास करेंगे तो वे परमेश्वर के काम को करेंगे। परमेश्वर ने अपने आप में उनकी शुद्धता, नया जन्म और काम करने की शक्ति दी है। जो परमेश्वर चाहता है कि वह करें। इसलिए, प्रारंभिक ज़िम्मेदारी यह है कि मनुष्य को उसमें विश्वास करना चाहिए।

उसमें विश्वास करना उसके दावे को सुनना है, और यह जानते हुए कि वह सच है, उसका पालन करना है। परमेश्वर मनुष्यों से यही चाहता है जिन्होंने पाप किया है और विफल रहे हैं। परमेश्वर चाहता है कि हम उस पर विश्वास करें जिसे उसने भेजा है, हम मसीह के अधीन हों।

इन शब्दों का प्रकाशन यह है कि मनुष्य को

अपनी पुनर्रचना के लिए जिस बात की ज़रूरत है वह मसीह यीशु में दी गई है। परमेश्वर मनुष्य से चाहता है कि जो परमेश्वर ने दिया है उसे मनुष्य ले। *"वह अपने घर आया और उसके अपनों ने उसे ग्रहण नहीं किया। परन्तु जितनों ने उसे ग्रहण किया, उसने उन्हें परमेश्वर की सन्तान होने का अधिकार दिया, अर्थात् उन्हें जो उसके नाम पर विश्वास रखते हैं। वे न तो लोहू से, न शरीर की इच्छा से, न मनुष्य की इच्छा से, परन्तु परमेश्वर से उत्पन्न हुए हैं"* (यूहन्ना १:११-१३)।

इस परिच्छेद में, यूहन्ना दो शब्दों का उपयोग करता है, 'ग्रहण करना' और 'विश्वास करना' और दिखाता है कि वे समानार्थी शब्द हैं। जो उसे ग्रहण करते हैं वे लोग हैं जो उसके नाम में विश्वास करते हैं। यीशु पर विश्वास करना उसे ग्रहण करना है।

वह मेरे पापों की क्षमा के लिए मसीह में मेरे लिए प्रयोजन करता है, और मुझे सामर्थ देता है कि मैं जाकर पाप न करूं। वह चाहता है कि मैं जो वह देता है उसे ले लूं, और उसे राजा के रूप में मुकूट पहनाऊं। वह चाहता है कि मैं उस उद्धारकर्ता में विश्वास करूं जिसे वह भेजता है, और मेरे आगे रखे गए अनंत जीवन को ग्रहण करूं। आत्माओं को जीतने के लिए यह पहली शर्त है। परमेश्वर सब कुछ पूरा करने वाले उद्धारकर्ता को प्रस्तुत करता है, एक उदाहरण प्रगट करता है, सामर्थ प्रदान करता है और सर्वत्र मनुष्यों को आज्ञा देता है कि वे पश्चाताप करें और उस पुत्र में विश्वास करें जिसे उसने भेजा है।

वास्तविक आवश्यकता और किसी बात की नहीं है केवल आदर्श मांगों को पूरा करने की है। परमेश्वर ने आपके या मेरे लिए अपनी आदर्श मांग को कभी नहीं त्यागा है। हमारे जीवन में सिद्धता से कुछ कम लेने के लिए वह कभी सहमति नहीं देगा। परमेश्वर ने इसलिए दुख नहीं उठाया कि कोई भी स्वर्ग में परमेश्वर के सिद्ध मानक के सामने विफल रहे। यह परमेश्वर की ईश्वरीय योजना है कि मनुष्य यीशु मसीह में विश्वास करने के द्वारा सिद्धता प्राप्त करे।

यहूदा के २४वे वचन में, *"अब जो तुम्हें ठोकर खाने से बचा सकता है, और अपनी महिमा की भरपूरी के सामने मगन और निर्दोष करके खड़ा कर सकता है"* यह वचन हमें बताता है कि हमारा प्रभु यीशु मसीह सिद्ध से कुछ भी कम लेने के लिए तैयार नहीं है। जब हम पूर्ण रूप से हमारे उद्धारकर्ता की शरण में आएंगे, तब वह सारी नकारात्मक बातों को, कमियों को, और उन सारे क्षेत्रों को ठीक करेगा जहां हम चूक गए हैं जिनके द्वारा हम सिद्धता हासिल कर सकते हैं। परंतु, मसीह के प्रति पहली अधीनता में, सिद्ध आदर्श तुरंत पूरा नहीं होता। तरसूस के शाऊल को प्रेम और जीवन के प्रभु द्वारा दमिश्क के मार्ग पर नीचे गिराया गया था। पौलुस जिसने तीस वर्षों तक धर्मी जीवन बिताया, उसने परमेश्वर के लिए बड़ी बातों को हासिल किया। वह फिलिप्पियों की पत्री में लिखता है, *"यह मतलब नहीं कि मैं पा चुका हूं, या सिद्ध हो चुका हूं; परंतु उस पदार्थ को पकड़ने के लिए दौड़ा चला जाता हूं जिसके लिए मसीह यीशु ने मुझे पकड़ा था"* (फिलिप्पियों ३:१२)। मसीही अनुभव और उपलब्धियों, आग, नग्नता, धोखा, तलवार के तीस वर्ष, और उसने अब तक हासिल नहीं किया है, सिद्ध नहीं हुआ है।

मेरे प्रिय भाई, मैं चाहता हूं कि इस बात को स्मरण रखें कि यह सिद्ध आदर्श तुरंत पूरा नहीं होता। परंतु उसके लिए सिद्ध बल की आवश्यकता है। यदि पौलुस ने कहा, मैंने अब तक हासिल नहीं किया है, तो उसी पत्री में उसने कहा है, *"निशाने की ओर दौड़ा चला जाता हूं, ताकि वह इनाम पाऊं, जिसके लिए परमेश्वर ने मुझे मसीह यीशु में ऊपर बुलाया है"* (फिलिप्पियों ३:१४)। इस वचन से उसका अर्थ यह है कि सारा उत्साह और जोश और उमंग जो उसने कलीसिया को सताने के कार्य में लगाई, अब वह उस लक्ष्य को हासिल करने में लगा रहा है और वह बनने की कोशिश कर रहा है जो परमेश्वर चाहता है कि वह बने।

शायद आप में से कुछ जो यह उपदेश पढ़ रहे हैं वे कई वर्षों से मसीही हैं, मेरे इस संसार में आने से पहले से। शायद आप में से कुछ परमेश्वर के प्रति मुझसे अधिक वफादार है। आप अवश्य ही मुझे बताएंगे कि आपने अब तक हासिल नहीं किया है और अब तक सिद्ध नहीं हुए हैं। मैं उन स्त्री और पुरुषों को भी लिख रहा हूं जिन्होंने अपने मसीही जीवन की शुरूवात की है। कृपया याद रखें कि आपके पास वह सब कुछ हैं जो अंतिम सिद्धता के लिए आवश्यक है, क्योंकि मसीह को ग्रहण करने के बाद, आप उसे उसकी पूर्ण सिद्धता में और उसकी पूर्ण सामर्थ में पाते हैं, और कम से कम जब उसका कार्य पूरा होगा तो आप भी उसके समान होंगे, परमेश्वर के सिंहासन के सामने निर्दोष प्रस्तुत किए जाएंगे। इन शक्तियों के बगैर सिद्धता असंभव है। उनके साथ सिद्धता सुनिश्चित है। विश्वास सिद्धता के पूर्ण होने के लिए प्राथमिक और शाश्वत शर्त है। अर्थात, मसीह में विश्वास एक कार्य नहीं है, वह एक रवैय्या है। यह कहना नहीं है कि मैंने पिछले चालीस वर्षों पहले मसीह को ग्रहण किया। महत्वपूर्ण यह है कि, क्या आप इस समय उसमें विश्वास करते हैं। मैं आपके पिछले अनुभव को कम मूल्यवान नहीं समझता। विश्वास एक रवैय्या है, और ऐसा दिन कभी नहीं आएगा कि हम पाप करने से चूक जाएंगे, परंतु विश्वास करते रहेंगे।

यह परमेश्वर की मांग है। वास्तविक मांग में आदर्श मांग का समावेश है। जब मैं प्रभु में विश्वास करता हूं, तो मैं अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करूंगा। आपको और मुझको तब तक परमेश्वर के प्रति अपने प्रेम का गीत गाने का कोई अधिकार नहीं है जब तक कि वह मनुष्यों के प्रति हमारे प्रेम में व्यक्त न हो। यदि मैं अपने भाई को ज़रूरत में देखता हूं, और उस पर तरस नहीं खाता, तो मुझमें परमेश्वर का प्रेम कैसे वास करता है? *"तू परमेश्वर अपने प्रभु से ...अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम रख।"* यह मानक है जिसमें परमेश्वर चाहता है कि हम ऊंचा उठे। मसीह में हमारा विश्वास, हमारे प्रेम के द्वारा प्रगट होगा।

हम उसमें विश्वास करें, उस पर भरोसा रखें, सामर्थ के लिए उस पर भरोसा रखें, और पूर्ण परित्याग में उसके मुख का अवलोकन करें, अब परमेश्वर का मसीह उन सारी बातों को सिद्ध करेगा जो हमारे संबंध में हैं। जब हम उसमें विश्वास करते हैं, तो हम परमेश्वर की पहली मांगों को पूरा करेंगे ताकि हम उसकी अंतिम मांगों को पूरा कर सकें। परमेश्वर उसकी अंतिम मांगों को पूरा करने में हमारी सहायता करें। आमेन

खाई से महल तक

(पास्टर एस. सॅम सेल्वा राज के जीवन अनुभव)

"जो पढ़े वह समझे" मत्ती २४:१५

"...मैं तो दीन और दरिद्र हूं, तौभी प्रभु मेरी चिंता करता है" (भजन ४०:१७)।

करीब छियालीस वर्ष पहले, चेन्नई में एक बड़ी बेदारी की सभा आयोजित की गई। कुछ महान प्रचारक दक्षिण आफ्रिका से आए थे। परमेश्वर ने उनके द्वारा बड़े आश्चर्यकर्म किए। बड़ी संख्या में लोगों ने आश्चर्यकर्मों को देखा और अपने जीवनों में पहली बार सुसमाचार सुना। मैं स्वयंसेवी कार्यकर्ता के रूप में उनकी सहायता कर रहा था।

अंतिम सभा समाप्त होने के बाद, अतिथियों और उन कार्यकर्ताओं की छोटी सी सभा थी जिन्होंने सभा के आयोजन में सहायता की थी। अचानक दक्षिण आफ्रिका के अतिथि ने मुझे बुलाया और मेरे विषय में पूछताछ की, मेरे बैनर लगाने, नए मित्रों का स्वागत करने और बेदारी की सभाओं के दौरान भाग लेने वालों की सहायता करना आदि कामों में मेरे प्रामाणिक तथा परिश्रम के कार्य की उन्होंने सराहना की।

उन्होंने आगे मुझ से पूछा कि मैं कहां से आता हूं और मुझ से कहा कि क्या मैं अगले दिन भारत से जाने के उनके समय सुबह ४ बजे उनसे हवाई अड्डे पर मिल सकता हूं। मैंने उनसे कहा कि बहुत सुबह हो जाएगी, क्योंकि मेरे पास केवल एक पुरानी साइकिल थी और वह भी अच्छी हालत में नहीं थी जिससे मैं घर से हवाई अड्डा जा सकूं और अंतर भी मेरे घर से २५ किमी था।

तुरंत उन्होंने अपने आसपास देखा और शहर के एक बड़े सुसमाचार प्रचारक को पाया और उसे नाम लेकर पुकारा और कहा, "यह भाई, सैम सिल्वा राज है। मैंने देखा है कि वह स्वेच्छा से बहुत अच्छा काम कर रहा है और मैं उसमें कुछ खास बात देखता हूं। भारत से जाने से पहले मैं हवाई अड्डे पर उनके साथ कुछ समय बिताना चाहता हूं। वह बहुत निर्धन है और अपने घर से कल सुबह हवाईअड्डा जाने के लिए उसके पास कोई वाहन नहीं है, इसलिए मुझे खुशी होगी कि तुम उसे अपनी कार में ले आओ, क्योंकि तुम मुझे बिदा देने के लिए आ ही रहे हो।"

लेकिन यह भाई मुझ से नाराज़ हो गया और उसने मुख्य अतिथि को उत्तर दिया, "इस व्यक्ति को ले जाने के लिए मेरी कार में जगह नहीं है। उसे कहें कि वह हवाई अड्डा न आए।" मुख्य अतिथि ने इस व्यक्ति से पूछा, "क्या तुम्हारे साथ हवाई अड्डा आने वाले अन्य लोग हैं?" उसने उत्तर दिया, "मेरे साथ कोई नहीं आ रहा है; लेकिन मैं इस निर्धन व्यक्ति की सहायता नहीं कर सकता।"

परमेश्वर का सेवक जो मुख्य अतिथि था, इन शब्दों को सुनकर अवाक् रह गया। उन्होंने मुझे बुलाया और मेरे सिर पर हाथ रखे और आंसुओं के साथ मेरे लिए प्रार्थना की और परमेश्वर से बिनती की कि वह मुझे भौतिक आशीषें भी दे। उसने मुझसे आगे कहा, "मेरे भाई सैम, मैं जानता हूं कि आप अति महान परमेश्वर के जिसकी मैं आज सेवा करता हूं, एक अत्यंत विनम्र सेवक हैं। मैं आप पर और आपकी सेवकाई पर सम्पन्नता बोलता हूं। जिस परमेश्वर की मैं सेवा करता हूं वह अभी स्वर्ग की खिड़कियां खोलेगा और आपकी सेवकाई के लिए कई कारें, बसेस और अन्य इमारतें आदि देकर आपको आशीषित करेगा। आपको उस भाई से नफरत नहीं करना है जो कल सुबह हवाई अड्डा आते समय आपको अपने साथ नहीं ले जाना चाहता था।"

इस अनुभव ने मुझे दुख नहीं दिया। परंतु अपने दास के द्वारा जो शब्द उसने कहे थे उनके लिए मैंने परमेश्वर को धन्यवाद दिया। दिन बीत गए हैं। परंतु परमेश्वर मुझे अपने मन में रखने के विषय में अत्यंत विश्वासयोग्य रहा है। बाद में परमेश्वर ने मुझे गाड़ियां दी और उसकी सेवकाई के लिए आवश्यक सारा सामान भी दिया। हमारे अपने वाहनों का उपयोग कर उसी हवाई अड्डे की कई बार यात्रा करने में उसने हमारी सहायता की। हमारा परमेश्वर कैसा अद्भुत है? वही परमेश्वर आज भी जीवित है। वह कल, आज और सदा एक सा है।

मेरे प्रिय वाचक, जब दूसरे लोग आपके अभिषेक को नहीं पहचानते, तो क्या आप अस्वस्थ होते हैं? क्या आपकी वर्तमान निम्न अवस्था देखकर आप निराश हो गए हैं? क्या आपके ही लोगों ने आपको तुच्छ जाना है? परमेश्वर कहता है, "तुहारा मन व्याकुल न हो...मैं तुम्हें अनाथ न छोडूंगा; मैं तुम्हारे पास आता हूं" (यूहन्ना १४:१,१८)।

चाहिए

१) मुख्य अधिकारियों के लिए सचिव चाहिए जो महत्वपूर्ण अंग्रेजी पत्राचार और प्रशासन का कार्य पूरा कर सकें (योग्यता : अंग्रेजी और अन्य भाषाओं में पत्राचार करने की स्वतंत्रता योग्यता प्राप्त स्नातक उम्मीदवार)। इसके लिए उत्तम कम्प्यूटर कौशल आवश्यक है।

२) डीटीपी ऑपरेटर जिसके पास अंग्रेजी और अन्य भाषाओं में कम्प्यूटर कुशलता है।

३) किसी भी क्षेत्र में तकनीक कार्य के साथ संगीतज्ञ।

RNI NO. 63656/95, Postal Regn. No. TN/CH/(C)/202/18-20 WPP NO. TN/PMG(CCR)/WPP-222/18-20

ECHO OF HIS CALL

Monthly magazines in 16 languages, Bible Colleges, Postal Courses, Church Planting, Village English High School, Gospel Printing Press, Crusades, Seminars, Social Services, etc.

Annual Subscription : Rs. 100/- Life Subscription : Rs. 2000/-

The multifarious activities of **Echo of His Call Ministry** is supported by the free-will offerings and donations of the God's Children like you. You may support **Echo of His Call** and its activities as the Lord leads you. We need your help to send forth the Gospel to the unreached people and plant Churches.

If you would like to receive **ECHO OF HIS CALL** magazines regularly, please write to us. Whenever you change your postal or e-mail addresses, please do inform us your old and new addresses.

Echo of His Call is available in 16 languages in our websites also. You can read it by going into the site as well as downloading it and get blessed.

Your letters, prayer requests and your financial helps (by D.D., Cheque, M.O. etc.) to **ECHO OF HIS CALL** may be sent to the address below.

Please send your **Land Phone / Mobile Phone Numbers and E.mail addresses** for updation.

ECHO OF HIS CALL

10, Mohammed Abdullah 2nd Street, Chepauk,
Chennai - 600 005, India
PH: (+91-44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766,
Cell: (+91) 98410 71852, 95661 31858
E-mails: sam@echoofhiscall.org / biblecor@yahoo.co.in
Websites: www.echoofhiscall.org / www.echoofhiscall.com

YOU CAN SEND YOUR DONATIONS ON ONLINE ALSO

PLEASE PRAY FOR OUR MINISTRIES AT THE HEADQUARTERS

1. Prayer Service : 24 hours
2. **BIBLECOR -** Bible Correspondence Courses : English, Tamil & Hindi
3. **ECHO OF HIS CALL** - Monthly Magazines : English, Tamil, Malayalam, Telugu, Hindi, Kannada, Marathi, Gujarati, Bengali, Odiya, Nepali, Assamese, Punjabi, Urdu, Sinhala & Afrikaans.
4. Nehemiah Bible Colleges (Two Centres)
5. Theological Correspondence Courses: English & Tamil
6. Great Commission Partners (Network of Pastors)
7. Training Programmes
8. Crusades
9. Literature Distribution and Follow Up
10. Gospel Printing Press - Publications
11. St. Paul's Matriculation School - Village English High School
12. Sunday Schools : 8.30 a.m. & 4.00 p.m. Sunday
13. **Tamil Services : 5.30 a.m. , 7.00 a.m. & 10.00 a.m. Sunday**
14. **Malayalam Service : 2.00 p.m. Sunday**
15. **Telugu Service : 4.00 p.m. Sunday**
16. **Hindi Service : 5.00 p.m. Sunday**
17. **English & Tamil Service : 6.00 p.m. Sunday**
18. Pastors' Counselling : 4.00 p.m. Sunday
19. Women's Prayer : 5.30 p.m. Wednesday
20. Mid-week Bible study : 6.30 p.m. Wednesday
21. Men's Prayer : 7.00 p.m. Friday
22. Workers' Meeting : 6.00 p.m. Saturday
23. House Meetings : 6.30 p.m. Monday & Tuesday
24. Special Holy Communion : 5.30 a.m. 1st day of each month
25. Ministers Review Meeting : 5.30 p.m. First Saturday
26. Parents' Prayer : 4.00 p.m. First Sunday
27. Night Prayer : 9.30 p.m. Second Friday
28. Fasting Prayer : 9:30 a.m. Third Saturday
29. Holy Communion : Second Sunday Services
30. Morning Devotion : 5.30 a.m. daily
31. Staff Devotion : 9.00 a.m. daily
32. Office : 9.00 a.m. to 9.00 p.m. (except Sundays)

The details of our Bank Accounts are given below. Please inform us the details of your remittances.

Bank	Branch	Name	IFSC Code No.	Account Number
1. STATE BANK OF INDIA	Triplicane, Chennai -5	S. Sam Selva Raj	SBIN 0000249	102329 34679
2. ICICI BANK	Anna Salai, Chennai -2	Echo of His Call	ICIC 0006038	6038 05022319

RNI NO. 63656/95
Postal Regn. No. TN/CH/(C)/202/18-20
WPP NO. TN/PMG(CCR) / WPP- 222/18-20
Date of Publication: Second week of every month
Date of Posting : 8th & 9th of every month
Posted at "Egmore RMS / 1 Patrika Channel"
on 9th DECEMBER 2020
If un-delivered please return to:
ECHO OF HIS CALL (HINDI)
P.O. Box No. 2957,
Chepauk, Chennai - 600 005, INDIA.
Phone: (+ 91- 44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766

JESUS LOVES YOU!

To

GOD BLESS YOU!

Owned and published by **S. Sam Selva Raj** from 18, Mohammed Abdullah Sahib Street, Chepauk, Chennai-600 005 and printed by him at **Echo of His Call Printers** 18, Mohammed Abdullah Sahib Street, Chepauk, Chennai-600 005. Editor: **S. Sam Selva Raj.**